मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MTT-043

सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम. टी. टी.-043 : अनुवाद सिद्धांत और सिंधी-हिंदी-सिंधी अनुवाद परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. 'अनुवाद' का अर्थ और स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 20

2. अनुवाद की सीमाओं और अननुवाद्यता के विविध आयामों का विवेचन कीजिए। 20

3. 'अनुवाद और अनुसृजन' विषय पर निबंध लिखिए। 20

4. भारतीय अनुवाद चिंतन के प्राचीन सूत्रों की चर्चा कीजिए। 20

5. आधुनिक पाश्चात्य अनुवाद सिद्धान्तों से संबंधित प्रमुख स्कूलों का परिचय दीजिए। 20

6. उत्तर-आधुनिकतावाद के संदर्भ में अनुवाद के सिद्धांतों की चर्चा कीजिए। 20

7. उपनिवेशकालीन भारतीय अनुवाद परंपरा पर प्रकाश डालिए। 20

8. सिंधी साहित्य के अनुवाद की परंपरा का विवेचन कीजिए। 20

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 10

   (क) बाइबिल के अनुवाद

   (ख) ए. के. रामानुजन के अनुवाद संबंधी विचार

   (ग) सिंधी शब्दकोश निर्माण में पाश्चात्य विद्वानों का योगदान

   (घ) भारत में अनुवाद की प्राचीनता